कल का मौसम 29 जून भारी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट, रहें सावधान!

विषय सूची (Table of Contents):

>> कल का मौसम, 29 जून देश भर में सक्रिय हुआ दक्षिण-पश्चिम मॉनसून, IMD का ताजा अपडे...
>> उत्तर भारत में मॉनसून की दस्तक उत्तराखंड और आसपास के राज्यों में भारी बारिश के ...
>> पहाड़ी और मैदानी राज्यों में बारिश की स्थिति...
>> पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में मौसम सबसे सक्रिय, बिहार और बंगाल में भारी बारिश का...
>> पूर्वोत्तर राज्यों का हाल...
>> मध्य भारत और पश्चिमी तट के राज्यों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं...
>> प्रमुख राज्यों की स्थिति...
>> दक्षिण भारत में झमाझम बारिश का दौर जारी, मौसम विभाग की चेतावनी...
>> दक्षिणी राज्यों का विस्तृतstatus...
>> राजस्थान में कब जोर पकड़ेगा मॉनसून? जुलाई के पहले सप्ताह में अच्छे बारिश की उम्म...
>> जुलाई में बारिश का परिदृश्य...
>> खराब मौसम के बीच आम जनता के लिए जरूरी सावधानियां और गाइडलाइंस...
>> सुरक्षात्मक उपाय...
>> निष्कर्ष...
>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...

कल का मौसम, 29 जून: देश भर में सक्रिय हुआ दक्षिण-पश्चिम मॉनस

सोमवार, 29 जून को देश भर में मौसम का मिजाज एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग(IMD)की ताजा प्रेस रिलीज के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून अब देश के अधिकांश हिस्सों में अपनी पूरी सक्रियता दिखा रहा है। जून के आखिरी दिनों में हो रही यह बारिश कई राज्यों के लिए राहत लेकर आई है, तो वही कुछ इलाकों में भारी बारिश का दौर जनजीवन को प्रभावित कर सकता है।

यदि आप आगामी दिनों में किसी यात्रा की योजना बना रहे है या अपने क्षेत्र के मौसम कालatest updateजानना चाहते हैं, तो यह लेख आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। मॉनसून के इस ताजा दौर में उत्तर भारत से लेकर दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों तक झमाझम बारिश की संभावना जताई गई है। आइए जानते है 29 जून को कैसा रहेगा आपके राज्य का हाल।

उत्तर भारत में मॉनसून की दस्तक: उत्तराखंड और आसपास के राज्यो

उत्तर भारत के मैदानी और पर्वतीय इलाकों में मॉनसून अब धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है। मौसम विभाग की मानें तो सोमवार, 29 जून से उत्तराखंड में भारी वर्षा का दौर शुरू होने की पूरी संभावना है, जो पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। इसके अलावा, स्थानीय लोगों और पर्यटकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

पहाड़ी और मैदानी राज्यों में बारिश की स्थिति

>> हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर:इन दोनों पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की जा सकती है, जिससे तापमान में भारी गिरावट आएगी।

>> पंजाब और हरियाणा:मैदानी इलाकों में भी बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर हल्की बौछारें पड़ने के आसार है।

>> दिल्ली और आसपास के क्षेत्र:राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है, जिससे उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी।

>> उत्तर प्रदेश:पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। वही, पूर्वी यूपी के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

अगर आप घर बैठे देश-विदेश की अन्य महत्वपूर्ण खबरों और जानकारी पर नजर रखना चाहते हैं, तोवोटर आईडी नही है? फिर भी डाल सकते हैं वोट, जानें 11 आसान तरीके!लिंक के जरिए उपयोगी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में मौसम सबसे सक्रिय, बिहार और बंग

29 जून को पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में मौसम प्रणाली सबसे अधिक सक्रिय रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों के लिए भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। लगातार हो रही बारिश से नदी-नालों का जलस्तर बढ़ सकता है, इसलिए प्रशासन को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

पूर्वोत्तर राज्यों का हाल

>> पश्चिम बंगाल और सिक्किम:इन दोनों राज्यों के कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति से बचने के लिए तैयारी रखने को कहा गया है।

>> बिहार और ओडिशा:दोनों ही राज्यों में भारी बारिश काPDF listऔर अलर्ट जारी किया गया है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खेतों में पानी निकासी का प्रबंध रखें।

>> पूर्वोत्तर राज्य:अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश की संभावना है। विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश और असम-मेघालय के कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश हो सकती है, साथ ही आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है।

मध्य भारत और पश्चिमी तट के राज्यों में गरज-चमक के साथ तेज हवा

मध्य भारत और पश्चिमी तट के तटीय इलाकों में मॉनसून की गतिविधियां काफी तेज बनी हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, इन क्षेत्रों में भारी बारिश के साथ-साथ 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

प्रमुख राज्यों की स्थिति

>> मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़:मध्य प्रदेश (विशेषकर पश्चिमी एमपी) में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ क्षेत्र में आकाशीय बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है।

>> कोंकण और गोवा:पश्चिमी तट पर स्थित कोंकण और गोवा में मूसलाधार बारिश की संभावना है, जिससे समुद्री तटों पर ऊंची लहरें उठ सकती हैं।

>> महाराष्ट्र और गुजरात:मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के कई हिस्सों में तेज बारिश होगी। गुजरात में भी मॉनसून के आगे बढ़ने से बारिश की गतिविधियां दर्ज की जाएंगी।

शिक्षा या करियर से जुड़े अपडेट्स के लिए आपजेईई मेन 2026: 6 अप्रैल शिफ्ट 1 और 2 के प्रश्न पत्र, समाधान व उत्तर कुंजी जारी!पर विजिट कर सकते हैं।

दक्षिण भारत में झमाझम बारिश का दौर जारी, मौसम विभाग की चेतावनी

दक्षिण भारत और उससे सटे प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून पूरी तरह से छाया हुआ है। लगातार हो रही बारिश से जलाशयों में पानी की आवक बढ़ रही है, जिससे किसानों और आम जनजीवन को बड़ा फायदा पहुंचा है।

दक्षिणी राज्यों का विस्तृतstatus

>> केरल और तटीय कर्नाटक:इन क्षेत्रों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का दौर जारी रहेगा। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

>> तेलंगाना और आंध्र प्रदेश:इन राज्यों के विभिन्न हिस्सों में भी वर्षा की गतिविधियां देखने को मिलेंगी। हवा की गति तेज हो सकती है, इसलिए सावधानी बरतनी जरूरी है।

>> तमिलनाडु, पुडुचेरी और लक्षद्वीप:इन क्षेत्रों में भी हल्की से मध्यम बारिश के साथ मौसम सुहाना बना रहेगा।

कभी-कभी आपराधिक और गैरकानूनी गतिविधियों के कारण मौसम के साथ-साथ सामाजिक माहौल भी बिगड़ जाता है। ऐसी ही एक घटना के

बारे में जानने के लिए किराना दुकान में टॉफी के साथ बिक रहा था गांजा और बीयर, पुलिस का छापा।लेख पढ़ें।

राजस्थान में कब जोर पकड़ेगा मॉनसून? जुलाई के पहले सप्ताह में

राजस्थान के लोगों को अभी भारी बारिश के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। हालांकि, राज्य के कुछ हिस्सों में आगामी दिनों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में बारिश की गतिविधियों में अगले सप्ताह से बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

जुलाई में बारिश का परिदृश्य

>> जुलाई का पहला सप्ताह:राज्य में मॉनसूनी बारिश जोर पकड़ेगी और जुलाई के पहले सप्ताह में अच्छी बारिश होने की उम्मीद है।

>> संभावित क्षेत्र:इस दौरान बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा और उदयपुर संभाग के विभिन्न भागों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

>> वर्तमान तापमान:रविवार सुबह तक के 24 घंटों के दौरान कई जगहों पर हल्की बारिश दर्ज की गई, लेकिन इसके बावजूद राज्य में तेज गर्मी और उमस का दौर जारी है। शनिवार को राजस्थान का सबसे अधिकतम तापमान फलोदी में 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो गर्मी की तीव्रता को दर्शाता है।

खराब मौसम के बीच आम जनता के लिए जरूरी सावधानियां और गाइडलाइं

देश के अधिकांश हिस्सों में मॉनसून के सक्रिय होने और भारी बारिश की चेतावनी के बीच, मौसम विभाग ने नागरिकों से पूरी सतर्कता बरतने की अपील की है। प्राकृतिक आपदाओं और दुर्घटनाओं से बचने के लिए कुछ गाइडलाइंस का पालन करना बेहद जरूरी है।

सुरक्षात्मक उपाय

>> पेड़ों और जर्जर इमारतों से दूर रहें:तेज हवाओं और आंधी-तूफान के समय पुराने पेड़ों या कमजोर निर्माण वाली दीवारों के नीचे खड़े न हों।

>> बिजली के खंभों से बचें:बारिश के दौरान खुले तारों और बिजली के खंभों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें ताकि करंट लगने की दुर्घटना से बचा जा सके।

>> यातायात में सावधानी:भारी बारिश के दौरान सड़कों पर जलभराव और कम दृश्यता (visibility) हो सकती है, इसलिए वाहन चलाते समय गति धीमी रखें और लाइट का उपयोग करें।

>> अपडेटेड रहें:घर से निकलने से पहले अपने स्थानीय मौसम काcheckकर लें और प्रशासन द्वारा जारी की गई एडवाइजरी का कड़ाई से पालन करें।

निष्कर्ष

निष्कर्षतः, 29 जून को देश के लगभग सभी कोनों में मॉनसून का विस्तार और सक्रियता देखने को मिल रही है। जहां एक ओर उत्तर, पूर्व और दक्षिण भारत के राज्य झमाझम बारिश से सराबोर हैं और गर्मी से राहत महसूस कर रहे हैं, वहीं राजस्थान जैसे कुछ राज्यों को झमाझम बारिश के लिए जुलाई के पहले सप्ताह तक का इंतजार करना होगा। भारी बारिश के इस दौर में मौसम विभाग की चेतावनियों को नजरअंदाज न करें और सुरक्षा नियमों का पालन करके खुद को तथा अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

29 जून को पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत (विशेषकर पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश) में मौसम सबसे अधिक सक्रिय रहने की संभावना है, जहां भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

हाँ, उत्तर भारत में मॉनसून की गतिविधियाँ बढ़ रही हैं। सोमवार से उत्तराखंड में भारी बारिश के आसार हैं, जबकि हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और यूपी में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की जाएगी।

राजस्थान में बारिश की गतिविधियों में अगले सप्ताह से बढ़ोतरी होगी और जुलाई के पहले सप्ताह में राज्य में अच्छी बारिश होने की संभावना है।

शनिवार को राजस्थान का सर्वाधिक अधिकतम तापमान फलोदी में 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

हाँ, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में वर्षा की गतिविधियाँ तेज रहेंगी। पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भारी वर्षा के साथ आकाशीय बिजली और तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है।

कोंकण-गोवा, मध्य महाराष्ट्र, तटीय कर्नाटक और केरल में मॉनसून पूरी तरह सक्रिय है। इन क्षेत्रों में भारी बारिश और तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

लोगों को जर्जर इमारतों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी गई है। वाहन चलाते समय गति धीमी रखें और मौसम के ताजा अपडेट्स पर नजर बनाए रखें।

मौसम विभाग के अनुसार कुछ राज्यों में गरज-चमक और बिजली गिरने के साथ 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

29 जून को बिहार और झारखंड में भारी वर्षा का अनुमान है। दोनों राज्यों के लिए मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है।

बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ भागों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

हाँ, केरल और तटीय कर्नाटक जैसे तटीय क्षेत्रों में समुद्र में तेज हवाएं और ऊंची लहरें उठने की आशंका के चलते मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

आप भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की आधिकारिक वेबसाइट या अधिकृत मौसम बुलेटिन के माध्यम से अपने क्षेत्र के मौसम की सटीक जानकारी औरlatest update 2026प्राप्त कर सकते हैं।